राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 14 जनवरी • 2023

ापानी कंपनियां करेंगी कृषि तकनीक का प्रदर्शन

हारा न्यूज ब्यूरो

पुर।

ए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि ने कृषि व ा हित में जापान सरकार के सहयोग की में सक्रिय कदम उठाया है। इसके तहत ी कंपनियां यहां प्रचलित कृषि उत्पादन स्करण तकनीक का प्रदर्शन करेंगी व गों सहित स्थानीय विशेषज्ञ उसका क्न करेंगे। इस क्रम में जापानी यों का एक प्रतिनिधिमंडल 20 जनवरी ां आ रहा है। प्रतिनिधिमंडल के साथ मंथन कर योजना को गति दी जायेगी। ीरतलब है कि सीएसए तथा कृषि, एवं वन मंत्रालय जापान के माध्य कृषि त्र शोध को लेकर 26 अक्टूबर, 2018 क एमओयू साइन किया गया था। इसी त जापानी तकनीकों पर आधारित ा कृषि मॉडल का सीएसए के प्रक्षेत्रों र्शन व मूल्यांकन किया जाना है। इस

प्रदर्शन क्षेत्र विकसित करने को
विवि उपलब्ध करायेगा
5 एकड़ भूमि

सीएसए में जापानी प्रतिनिधिमंडल
के साथ विचार मंथन 20 को

कार्य के लिए सीएसए द्वारा 5 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जायेगी। संबंधित भूमि पर आधारभूत सुविधाओं के विकास में भी विवि सहयोग करेगा। प्रदर्शनों के परीक्षण व मूल्यांकन के लिए स्थानीय कृषकों, कृषक उत्पादक संगठनों व स्थानीय कृषि उपकरणों की निर्माता कंपनियों को भी आमंत्रित किया जायेगा। जापानी कंपनियों को आमंत्रित करने व उनके द्वारा तकनीकों के प्रदर्शन पर आने वाले व्यय भार को जापानी विकास संस्थाएं वहन करेंगी।

निदेशक शोध डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में इस परियोजना को गति देने पर काम तेज किया गया है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य विभिन्न जापानी कृषि तकनीक व उपकरणों का प्रदर्शन कर क्षेत्रीय व प्रदेश किसानों को लाभान्वित करना है। इस परियोजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी कोऑर्डिनेटर डॉ. विजय कुमार यादव के साथ ही निदेशक प्रसार डॉ. अरविंद कुमार व डॉ. सीएल मौर्या को सौंपी गई है।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

शनिवार 14 जनवरी 2023 | अंक - 361

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

आलू फसल को रोगों से बचाएं: डॉ.ए.के.सिंह

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने आलू फसल में पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु किसान भाइयों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि मौसम में ल्हरित बदलाव के कारण फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।उन्होंने कहा कि आलू फसल में पछेती झुलसा रोग और माहू जैसे कीट तीव्र गति से बढ़ सकते हैं। जिससे आलू की फसल को नुकसान होने की संभावना है। अतः किसान भाई पछेती झुलसा रोग के प्रबंधन हेतु कवकनाशी साईमोक्सीनिल एवं मैनकोजेब 0.2 प्रतिशत के मिश्रण का तुरंत फसल पर छिड़काव कर दें। वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को सलाह दी है कि वायरस रोग का प्रसार सफेद मक्खी द्वारा होता है। अतः रोग को एक पौधे से दूसरे पौधों पर स्थानांतरण को रोकने एवं माहू कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 0.03

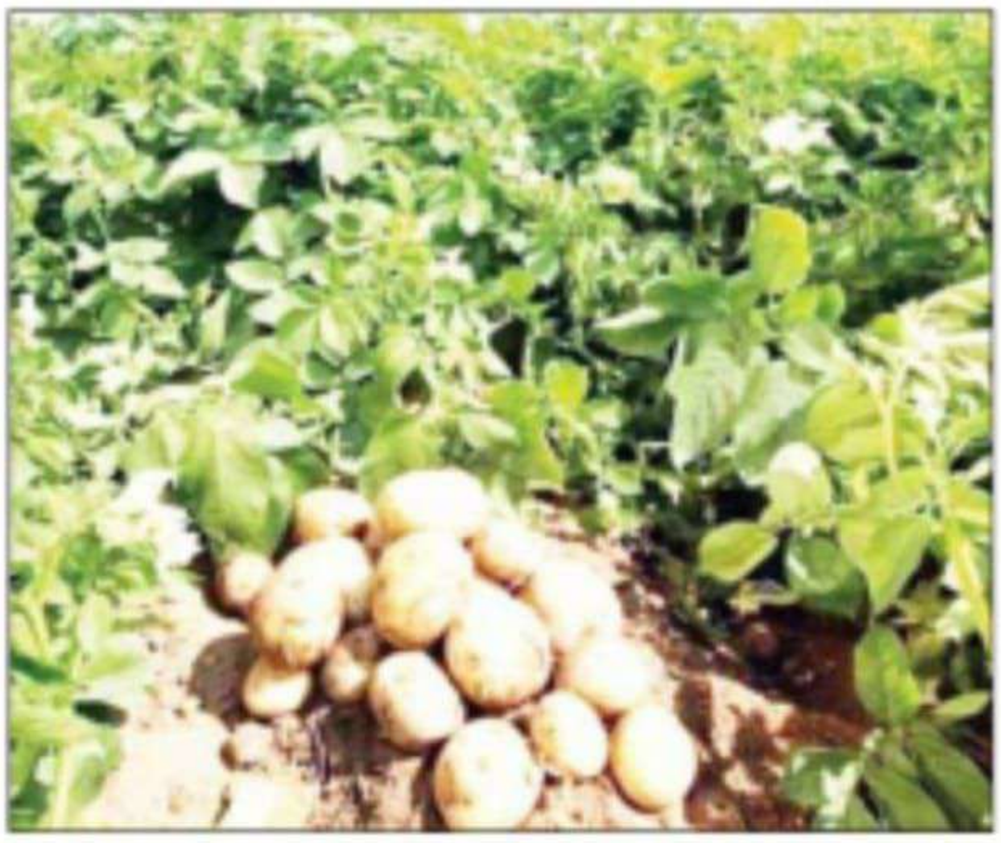

प्रतिशत घोल को कवकनाशी साईमोक्सीनिल एवं मैनकोजेब 0.2 प्रतिशत के मिश्रण के साथ ही मिलाकर छिड़काव करें। डॉक्टर सिंह ने किसानों को सलाह दी है। कि जब तक मौसम में बदली और उतार-चढ़ाव रहे तब तक आलू की फसल की देखरेख अत्यंत आवश्यक है।

अमर उजाला 14/01/2023

सीएसए आएगा जापानी प्रतिनिधिमंडल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में 20 जनवरी को जापान का प्रतिनिधिमंडल आएगा। प्रतिनिधिमंडल 2018 में सीएसए और कृषि मत्स्य एवं वन मंत्रालय जापान के बीच कृषि, कृषि शिक्षा एवं शोध को लेकर हुए एमओयू पर काम आगे बढ़ाने को लेकर चर्चा करेगा। निदेशक शोध डॉ. विजय यादव ने बताया कि सीएसए की ओर से पांच हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें जापानी तकनीकों का परीक्षण किया जाएगा। (संवाद)

दैनिक जागरण 14/01/2023 कानपु

जापान की कंपनियां शहर में बनाएंगी कृषि उत्पाद

- 20 जनवरी को आएगा जापानी प्रतिनिधिमंडल, कृषि तकनीक का प्रदर्शन कर निवेश पर होगी चर्चा
- वर्ष 2018 में जापान के कृषि, वन एवं मत्स्य मंत्रालय के साथ हुआ था करार, अब शुरू हुई कवायद

जासं, कानपुर : जापान की कृषि उत्पाद बनाने वाली विभिन्न कंपनियां कानपुर में आकर अपने संयंत्र लगाएंगी और यहां के फसल क्षेत्रों में तकनीक का प्रदर्शन करेंगी। इससे न केवल यहां के युवाओं को रोजगार, बल्कि सरकार को भी राजस्व मिलेगा। यह सब चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विज्ञानियों के सहयोग से होगा। इसी सिलसिले में 20 जनवरी को जापान का प्रतिनिधिमंडल विश्वविद्यालय आ रहा है, जो निवेश पर चर्चा भी करेगा।

विश्वविद्यालय के शोध निदेशक डा. विजय कुमार यादव ने बताया कि 26 अक्टूबर 2018 को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से सीएसए विश्वविद्यालय का जापान के कृषि, वन एवं मत्स्य मंत्रालय के साथ करार हुआ था। इसके अनुसार जापानी तकनीक पर आधारित विभिन्न माडल का विश्वविद्यालय के कृषि क्षेत्रों में प्रदर्शन व मूल्यांकन किया जाना था। इस दौरान एक जापानी प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय आकर यहां के फसल प्रक्षेत्रों का भ्रमण किया और किसानों की ओर से अपनाई जा रही तकनीक की जानकारी ली थी। अब 16 से 20 जनवरी तक एक बार फिर जापानी प्रतिनिधिमंडल प्रदेश का भ्रमण करेगा और सीएसए विश्वविद्यालय आकर यहां अपनी मशीनें व उत्पादन तकनीक का प्रदर्शन करेगा। इसके लिए उन्हें दलीप नगर फसल प्रक्षेत्रों को दिखाया जाएगा।

विश्वविद्यालय कंपनियों के लिए देगा पांच हेक्टेयर भूमि

डा. विजय यादव ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय जापानी कंपनियों के लिए पांच हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराएगा। इस भूमि पर आधारभूत सुविधाओं को कंपनियां खुद ही विकसित करेंगी। प्रदर्शनो में आने वाला व्यय भार जापानी विकास विभाग करेगा।

सस्ते उपकरणों से किसानों को मिलेगा फायदा

जापानी कंपनियां नई तकनीक पर सस्ते कृषि उपकरण बनाएंगी। इनमें जमीन की निराई गुड़ाई से लेकर फसलों की कटाई तक के उपकरण शामिल होंगे। हल्के होने के साथ इनका रखरखाव भी आसान होगा। इससे किसानों को सस्ते दाम पर बेहतर उत्पाद मिल सकेंगे।

हिंदुस्तान 14/01/2023

सीएसए कैंपस में बनेगा टेक्नो पार्क

कानपुर। सीएसए कैम्पस की पांच हेक्टेयर जमीन पर टेक्नो पार्क बनेगा। जापान में विकसित तकनीकी से भारतीय कृषि में आने वाली समस्याओं के समाधान का परीक्षण होगा। इसके लिए जापान सरकार ने अनुमति दे दी है। 20 जनवरी को जापान सरकार का प्रतिनिधिमंडल सीएसए आ रहा है। उनके आने पर विस्तृत कार्य योजना तैयार होगी। विवि के निदेशक शोध डॉ. विजय कुमार यादव ने बताया कि जापान के साथ एक समझौता हुआ था। इसके तहत अब कार्ययोजना तैयार होगी। फिलहाल जापान में विकसित कृषि तकनीकी व इंडस्ट्री को भारत में आमंत्रित किया जा रहा है। साथ ही कृषि की समस्याओं को लेकर विकसित तकनीकी का भारतीय जलवायु व परिदृष्य में परीक्षण किया जाएगा। इसके लिए वहां के वैज्ञानिकों को आमंत्रित किया गया है।